शाखा– निगरानी एवं मूल्यांकन

निगरानी एवं मूल्यांकन शाखा सीधे प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश के अधीन कार्य करती है। मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा राज्य में किये गए वृक्षारोपण कार्यों के प्रभावी अनुश्रवण करने हेतु विभाग की सूचना एवं प्रौद्योगिकी शाखा द्वारा वृक्षारोपण निगरानी प्रणाली का विकास किया गया है।

वृक्षारोपण निगरानी प्रणाली की मुख्य विशेषताएं:

1. यूज़र फ्रेंडली डैशबोर्ड जो कि विभिन्न मापदंडों कि लंबित स्थिति को दर्शाता है, जैसेः वनमंडल स्तर से अनुमोदन, प्रतिवर्ष माह मई एवं अक्टूबर सत्र के मूल्यांकन एवं जिओमैपिंग आदि की स्थिति ।
2. वृक्षारोपण कार्यों के वनमडल स्तर से अनुमोदन, मूल्यांकन, व्यय एवं जिओमैपिंग आदि की विस्तृत रिपोर्ट।
3. मुख्यालय स्तर से बेहतर अनुश्रवण हेतु एकीकृत जिओ–पोर्टल, जिसके माध्यम से वृक्षारोपण क्षेत्र की सीमा के अतिरिक्त नवीनतम Satellite Imagery को देख सकते हैं।
4. 4 स्तरों अर्थात् मुख्यालय, वन वृत्त, वनमंडल एवं परिक्षेत्र में अधिकारों का प्रतिनिधान के साथ ही मुख्यालय स्तर पर एकीकृत डाटा सेंटर।
5. कार्यप्रवाह आधारित पारदर्शी प्रणाली।
6. प्रणाली Public Domain में है एवं आमजन द्वारा एक्सेस की जा सकती है।

शाखा के मुख्य कार्य:

1. प्रणाली में जानकारी को अद्यतन रखने हेतु समस्त जानकारियां नियमित रूप से प्रविष्ट करने के लिए प्रभारी मुख्य वन संरक्षकों एवं वनमंडल अधिकारिओं को बारंबार उनके क्षेत्र की स्थिति से अवगत कराना।
2. अनुश्रवण को प्रभावी बनाने एवं कार्यों के उचित अनुवर्तन हेतु पत्र व्यवहार के अतिरिक्त ईमेल, फ़ोन, Bulk Messaging Service आदि का उपयोग।
3. प्रणाली से संबंधित समस्याओं एवं सुझावों जैसेः नवीन रिपोर्ट को जोड़ना, Technical Checks लगाना, वृक्षारोपण पंजीकरण को निरस्त करना आदि के निराकरण हेतु नियमित रूप से सूचना एवं प्रौद्योगिकी शाखा से समन्वय स्थापित रखना।
4. वीडियो कांफ्रेंस एवं क्षेत्रीय कार्यशालाओं के माध्यम से वृक्षारोपण प्रबंधन को प्रभावी बनाने हेतु प्रयास।
5. वन वृत्तों एवं वनमंडलों द्वारा किये जाने वाले कार्यों को प्रतिस्पर्धापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण बनाने हेतु नवीन पद्धतियों का प्रयोग करते रहना। उदाहरणतः वर्तमान में वन वृत्त एवं वनमंडलों की रैंकिंग एवं ग्रेडिंग विभिन्न मापदंडों के आधार पर प्रयोग के तौर पर की जा रही है।